Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

M. A. Philosophy (Semester: Second)

Philosophy

न्याय – वैशेषिक दर्शन – 2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. संशय की असत्ता का प्रतिपादक पूर्वपक्ष लिखें।
2. कोई तीन प्रमाण देकर बतायें कि न्याय दर्शन अवयवी की सिद्धि किस प्रकार करता है?
3. क्या चार प्रमाण से अधिक भी प्रमाण कहे जाते हैं? वे कौन–कौन से हैं? उनका स्वरूप बताते हुए यह भी स्पष्ट करें कि वे चार के ही अन्तर्गत किस प्रकार समाहित हो जाते हैं?
4. कोई तीन प्रमाण देकर वैशेषिक दर्शन के अनुसार मन के अस्तित्व को सिद्ध करें।
5. वात्स्यायन भाष्यानुसार "आत्मा" द्रव्य के लक्षण और परीक्षण करते हुए विस्तृत व्याख्या करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. सप्रसंग सूत्रार्थ लिखें –
   आदिमत्त्वादैन्द्रियकत्वात् कृतकपदुपचाराच्च, अनियमे–नियमान्नानियमः।
2. किन्हीं दो पर सप्रमाण टिप्पणी लिखें –
   अनुवाद, अर्थवाद, विधिवचन ।
3. पूर्वपक्षी का आरोप है वेद वाक्य प्रामाणिक नहीं हैं हेतु दिया 'तदप्रामाण्यमनृतव्याघातपुनरूक्तदोषेभ्यः' इस आरोप का सिद्धान्ती ने क्या समाधान दिया, सप्रमाण बतायें।
4. शब्द नित्य है या अनित्य संक्षिप्त व्याख्या करें।
5. प्रमाण सहित वैशेषिक दर्शन के अनुसार आत्मा का लक्षण (स्वरूप) प्रस्तुत करें।
6. सप्रसंग सूत्रार्थ लिखें –
   "तत्र शरीरं द्विविधं योनिजमयोनिजं चं", "अनियतदिग्देशपूर्वकत्वात्", "धर्म विशेषाच्च"।

खण्ड–स
(अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

(5×1=05)

1. न्यादर्शन में कुल कितने सूत्र, कितने अध्याय व कितने आह्निक है?
2. वैशेषिक दर्शन के रचयिता कौन है?
3. वैशेषिक के अनुसार आत्मा एक है या अनेक, प्रमाण लिखें।
4. शब्द सन्तान से आप क्या समझते हैं?
5. न्याय दर्शन कितने व कौन–कौन से प्रमाणों को स्वीकार करता है?

----------x----------